उद्योग मंडल सीआईआई की सालाना बैठक में वित्त मंत्री सीतारमण ने दिया भरोसा

आर्थिक वृद्धि तेज करने के लिए हर कदम उठाएंगे

आश्वासन

नई दिल्ली | विशेष संवाददाता

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को उद्योग जगत को आश्वस्त किया कि सरकार आर्थिक वृद्धि को गति देने के लिए हर जरूरी कदम उठाने को तैयार है। सीतारमण ने उद्योग मंडल सीआईआई की सालाना बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि कोविड-19 महामारी की रोकथाम के लिए लगायी गई पाबंदियों को हटाए जाने के बाद से अर्थव्यवस्था में तेजी और पुनरूद्धार के संकेत हैं।

उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष में अब तक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में 37 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वहीं विदेशी मुद्रा भंडार जुलाई में बढ़कर 620 अरब डॉलर पर पहुंच गया। वित्त मंत्री ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार सुधारों को लेकर प्रतिबद्ध है। यहां तक कि महामारी के दौरान भी सरकार ने सुधारों को आगे बढ़ाया गया। पिछले साल केंद्र ने कृषि कानूनों और श्रम सुधारों को आगे बढ़ाया। उन्होंने उद्योग जगत को आगे आने और अर्थव्यवस्था में निवेश बढ़ाने का आह्वान किया।

उल्लेखनीय है कि आर्थिक विशेषज्ञों से लेकर वैश्विक एजेंसियां तक कह चुकी हैं की भारतीय अर्थव्यवस्था में तेजी से सुधार हो रहा है। उद्योग मंडल पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स ने पिछले दिनों कहा कि कोविड-19 के नए मामलों में कमी, देश के विभिन्न हिस्सों में लॉकडाउन प्रतिबंधों को हटाए जाने और सरकार द्वारा घोषित आर्थिक सुधारों के कारण अर्थव्यवस्था अप्रैल और मई में निचले स्तर पर पहुंचने के बाद से तेजी से उबर रही है। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) के वी सुब्रमणियम ने पिछले दिनों सुधारों को लेकर कहा कि जीएसटी दरों के ढांचे को युक्तिसंगत बनाना सरकार के एजेंडे में है और निश्चित रूप से यह होने जा रहा है।

क्यों जरूरी है एफडीआई

भारत ने पांच अरब डॉलर अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य रखा है। मौजूदा समय में अर्थव्यवस्था का आकार 2,500 अरब डॉलर का है। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत को पांच हजार अरब डॉलर अर्थव्यवस्था बनने के लिए सालाना 100 अरब डॉलर का एफडीआई लाना होगा। वर्तमान समय में भारत में सालाना करीब 60 अरब डॉलर का एफडीआई आता है। एफडीआई से भारतीय कंपनियों की सस्ती पूंजी मिलती है जिससे उनके उत्पाद को किफायती बनाने के साथ कारोबार के विस्तार में मदद मिलती है। साथ ही विदेशी बाजार तक पहुंच आसान हो जाती है।

37% की वृद्धि एफडीआई में चालू वित्त वर्ष में अब तक

620 अरब डॉलर पर पहुंच गया मुद्रा भंडार जुलाई में

01 लाख करोड़ रुपये से अधिक जीएसटी हो रहा कई माह से

रिकॉर्ड विदेशी मुद्रा भंडार के कई फायदे

भारत का मौजूदा विदेशी मुद्रा भंडार 620 अरब डॉलर को भी पार कर गया है। यह भारत के करीब दो साल के आयात खर्च के बराबर है। तीन दशक पहले भारत के पास एक समय महज एक हफ्ते के आयात खर्च के बराबर विदेशी मुद्रा भंडार बचा हुआ था। विदेशी मुद्रा भंडार अधिक होने से रिजर्व बैंक जरूरत पर डॉलर की बिकवाली कर रुपये की तेज गिरावट पर अंकुश लगाने में सक्षम है।

सरकार ने किए कई सुधार

सरकार ने सुधारों को रोकने की बजाय और तेज करने का साहस दिखाया है। पिछले एक साल में सरकार 20 लाख करोड़ रुपये से अधिक का राहत पैकेज दे चुकी है। इसमें खासकर सूक्ष्म, लघु और मझौले उद्योगों को विशेष तरजीह दी गई है। सरकार ने कई चरणों में विभिन्न क्षेत्रों के लिए राहत पैकेज दिए हैं। करदाताओं की मदद के लिए कर रिफंड को तेज किया गया है।